संवाद

यह वर्ष हमारे देश के लिए उत्साह और सफलता लेकर आया है। वैज्ञानिक सफलता की ओर एक और कदम आगे बढ़ाने के साथ 23 अगस्त, 2023 को भारत एक ऐतिहासिक क्षण में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बन गया, जिस पर समस्त देशवासियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई।

दिनांक 1 सितंबर, 2023 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के स्थापना दिवस, रा.शै.अ.प्र.प., के परिसर, दिल्ली में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान, *शिक्षा मंत्री* उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 5वीं कक्षा के एक बच्चे ने चंद्रयान 3 मिशन के बारे में अपनी समझ और उससे जुड़ी सीख सबसे साझा की।

भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्'— एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' थीम के साथ 9–10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में G20 बैठक की मेजबानी की, जिसकी सभी ने खूब सराहना की है। पिछले एक दशक में हमारे देश ने जो उपलब्धियाँ हासिल की हैं उनके विषय में विद्यार्थियों को जानकारी होनी चाहिए। अतः शिक्षक और प्रशिक्षकों को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। यह भी हो सकता है आने वाले अंकों में आपको इन विषयों से जुड़े कुछ लेख पढ़ने को मिलें। इस पत्रिका में कुल ग्यारह लेख शामिल हैं।

प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा संबंधी कठिनाइयों के महत्व को समझते हुए बल देना ज़रूरी है। यह एक महत्वपूर्ण चरण है जहाँ बच्चों के लिए नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा के साथ भाषा, गत्यात्मक कौशल, सीखने की क्षमता का विकास सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। सीखने के परिणामों की प्राप्ति हेतु, बच्चों में सीखने के कौशल विकसित करना आवश्यक है। इसके लिए शिक्षक अनेकों प्रयोग करते हैं और खेल-खेल में सिखाने का प्रयत्न करते हैं।

एन.ई.पी. 2020 और प्रारंभिक शिक्षा के आधार पर 3–8 साल के बच्चों के लिए *जादुई पिटारा* खेल तथा शैक्षणिक सामाग्री तैयार की गई है। यह बच्चों को आजीवन सीखने के लिए प्रेरित करती है और उन्हें भाषा और संख्यात्मक ज्ञान अर्जित करने में मदद करती है जिससे शिक्षा की नींव को मजबूती मिलती है। *जादुई पिटारा* की खेल-आधारित सामग्री बाल विकास के पाँच आयामों को मजबूत करने में मदद करती है, साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

आनंद निकेतन विद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र नई तालीम शिक्षा सिद्धांतों का पालन करता है। इस विद्यालय में मंद गति से सीखने वाले विद्यार्थियों के समावेशन के लिए आज भी प्रयास किए जा रहे हैं। बेहतर शिक्षण के लिए समावेशन के बाद गतिविधियों, शिक्षण अभ्यास और मूल्यांकन प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सर्वांगीण विकास के लिए विद्यार्थियों को सही अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। शिक्षकों द्वारा कक्षा में ऐसी गतिविधियाँ कराई जानी चाहिए जो विद्यार्थियों के समग्र विकास (पंचकोशीय विकास) में सहायक हो सकें।

योग भारतीय संस्कृति में शिक्षा, विचार, व्यायाम के एक भाग के रूप में अंतर्निहित है। लोगों ने इसकी प्रभावशीलता को स्वीकार किया है कि यह मन और शरीर को संतुलित रखता है। अष्टांगयोग, मन, शरीर और आत्मा के संतुलन में मदद करता है और वो भी एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के मूलमंत्र के साथ।

नेतृत्व क्षमता निर्माण, आत्मरक्षा, जागरूकता और निर्णय लेने के कौशल बच्चों में विकसित किए जा सकते हैं। इसके लिए शिक्षक अवसर प्रदान करते हैं जैसे बाल संसद का आयोजन। बाल संसद गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन-कौशल सीखने के अवसर प्राप्त होते हैं। आज सीखने की मिश्रित पद्धति पर ज्यादा बल दिया जाता है, क्योंकि यह आधुनिक सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के साथ आमने-सामने शिक्षण और ऑनलाइन शिक्षण का एक संयोजन है।

प्रस्तुत अंक में लेख इन्हीं मुद्दों पर शामिल किए गए हैं। 'विशेष' के अंतर्गत कक्षा 2 की नई पुस्तक *सारंगी* के बारे में दिया गया है। आशा है कि यह अंक आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। पत्रिका के संबंध में आपके विचार व सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

अकादमिक संपादक